



खबर संक्षेप



दस्तक अभियान के तहत स्वास्थ्य टीम ने जागरूकता अभियान चलाया

नाहरगढ़ (मंदसौर) कलेक्टर दिव्यांक सिंह के मार्गदर्शन में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ आर के द्विवेदी, दस्तक अभियान के नोडल अधिकारी डॉ सुरेश सोलंकी, डीपीएम निलेश गर्ग के सानिध्य में जिले में चल रहे दस्तक अभियान 14 जुलाई से 31 अगस्त 2026 के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार गांव-गांव पहुंच रही है। इसी कड़ी में स्वास्थ्य कार्यकर्ता जगदीश खोंची द्वारा ग्राम साबाखेड़ा, बुढ़ा, टकरावद एवं संजीत में ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उन्हें अभियान के प्रति प्रेरित एवं जागरूक किया गया तथा लोगों को बताया कि इस अभियान में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों का घर-घर जाकर स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। कुपोषण की पहचान कर विटामिन-अ, डफर पैकेट एवं 14 दिन की जिनक गोलियां वितरित की जा रही हैं। निमोनिया एवं दस्त रोग की स्क्रीनिंग की जा रही है। टीकाकरण के महत्व के बारे में जानकारी दी जा रही है। गंभीर कुपोषित बच्चों को पोषण पुनर्वास केंद्र टफउड में भर्ती कराया जा रहा है। उन्होंने ग्रामवासियों एवं माता-पिता से अपील की कि अपने बच्चों का समय पर स्वास्थ्य परीक्षण अवश्य करवाएं। यही आपके बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की नींव है। आप सभी इस अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें। ग्रामवासियों ने स्वास्थ्य टीम के इस प्रयास की सराहना की और बच्चों की जांच में पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर स्टाफ नर्स फार्मासिस्ट आदि कर्मचारी गांव के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

तीन दिवसीय शिव परिवार प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव 15 से

भानपुरा। स्थानीय लक्ष्मीनारायण मंदिर (रैठवाला), भानपुरा में आशीर्वाचन श्री का अमुत्तमयी आशीर्वाचन 17 अगस्त को होगा। महोत्सव में युवाचार्य वरुणेंद्र तीर्थ महाराज सहित अनेक दण्डी महात्माओं एवं ब्रह्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। कार्यक्रम का आचार्यत्व नगर स्वर्गीय पिता गोवर्धन लाल विश्वकर्मा एवं स्वर्गीय माता शांतिबाई विश्वकर्मा की स्मृति में कराया जा रहा है। ज्योतिमठ पहुंचकर दिया आमंत्रण महोत्सव में महाराज श्री एवं समस्त परिकर को आमंत्रित करने के लिए मुख्य यजमान के साथ विश्वकर्मा सुतार समाज भानपुरा के पदाधिकारी एवं सदस्य ज्योतिमठ अवानर पीठ पहुंचे और महाराज श्री को आयोजन में आने हेतु सादर निमंत्रण दिया। इस अवसर पर अध्यक्ष रमेश विश्वकर्मा, संरक्षक कैलाश विश्वकर्मा, कोषाध्यक्ष अशोक विश्वकर्मा, एवं परिजन सचिव महेश आदि रहे मौजूद।

मनोकामना पूर्ति के लिए करवाए जा रहे हैं हवन अनुष्ठान बारिश भी नहीं डिगा पाई भक्तों की आस्था, मां के दरबार में उमड़ी भीड़



हरिभूमि न्यूज़ | नलखेड़ा

विश्व प्रसिद्ध सिद्धपीठ माँ बगलामुखी मंदिर पर बारिश के इस मौसम में भी प्रतिदिन हजारों की संख्या में माता रानी के भक्त मंदिर पर दर्शन करने तथा मनोकामना पूर्ति के लिए हवन अनुष्ठान करवाने के लिए आए रहे हैं। माता मंदिर पर प्रतिदिन प्रातः काल से ही प्रदेश सहित देश के कई स्थानों से आए दर्शनार्थ भक्तों की कतारें लगना प्रारम्भ हो जाती है। जोकि पट बंद होने तक लगी रहती हैं। इस दौरान भक्त माता रानी के जयकारों

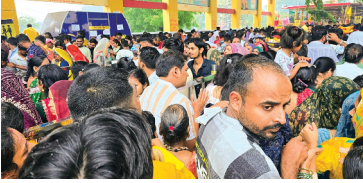


से मंदिर परिसर को गुंजायमान कर माता के प्रति अपनी श्रद्धा तथा आस्था प्रकट करते हैं। रविवार को छुट्टी के दिन सुबह से ही मंदिर के बाहर तथा मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी कतारें लगी हुई थी। श्रद्धालु भक्त पीले श्रृंगार में माता की मनमोहक झलक पाने घंटों इंतजार करते दिखाई दे रहे थे। रविवार को छुट्टी का दिन होने के चलते प्रसिद्ध पीतांबर माता मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। लगातार हो रही बारिश भी भक्तों की आस्था को डिगा नहीं सकी। बारिश के बीच बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन

के लिए कतारों में खड़े नजर आए। हर कोई माता की एक झलक पाने को आतुर दिखाई दिया। प्रातःकाल से ही मंदिर परिसर और दर्शन मार्ग पर श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगना शुरू हो गई थीं। बारिश के बावजूद भक्त छाते लेकर तो कई श्रद्धालु बिना बारिश की परवाह किए घंटों कतार में खड़े रहे। श्रद्धालुओं के चेहरे पर

बारिश की परेशानी से अधिक माता के दर्शन की उत्सुकता नजर आ रही थी। रविवार को पीतांबर माता बगलामुखी का विशेष पीले रंग का श्रृंगार किया गया। माता को पीले रंग की चुनरी ओढ़ाई गई और पीले पुष्प एवं अन्य पीली वस्तुओं से मनमोहक श्रृंगार किया गया। धार्मिक मान्यता के अनुसार पीला रंग माता को अत्यंत प्रिय माना जाता है। माता का यह आकर्षक श्रृंगार भक्तों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।

प्रवेश द्वार से सिंह द्वार तक व मंदिर परिसर में लंबी-लंबी लाईनें



से माहौल भक्तिमय बना रहा। आस्था का यह नजारा बता रहा था कि मौसम चाहे कितना भी विपरीत हो, मां के दरबार पहुंचने की श्रद्धा के आगे बारिश भी फीकी पड़ गई। ज्ञात रहे की बगलामुखी मंदिर पर शनिवार रविवार के साथ छुट्टी के दिनों में हजारों की संख्या में माता भक्त पहुंचते हैं। जिनके द्वारा माता रानी के अलौकिक श्रृंगार के दर्शन कर अपनी मनोकामना पूर्ण करने हेतु मंदिर परिसर स्थित यज्ञशाला में विशेष हवन अनुष्ठान भी करवाए जाते हैं।

सावन मास के इस द्वितीय रविवार को मंदिर मार्ग पर पुलिस के समीप स्थित प्रवेश द्वार से सिंह द्वार तक व मंदिर परिसर में लंबी-लंबी लाईनें लगी हुई थी। आसमान से गिर रही बारिश की बौझारों भी भक्तों की आस्था को डिगा नहीं पा रही थी। बारिश के बीच भी मंदिर परिसर में माता के जयकारों से माहौल भक्तिमय बना रहा। आस्था का यह नजारा बता रहा था कि मौसम चाहे कितना भी विपरीत हो, मां के दरबार पहुंचने की श्रद्धा के आगे बारिश भी फीकी पड़ गई। ज्ञात रहे की बगलामुखी मंदिर पर शनिवार रविवार के साथ छुट्टी के दिनों में हजारों की संख्या में माता भक्त पहुंचते हैं। जिनके द्वारा माता रानी के अलौकिक श्रृंगार के दर्शन कर अपनी मनोकामना पूर्ण करने हेतु मंदिर परिसर स्थित यज्ञशाला में विशेष हवन अनुष्ठान भी करवाए जाते हैं।

नवागत थाना प्रभारी के सामने बढ़ रहे अपराधों पर नियंत्रण की रहेगी चुनौती

हरिभूमि न्यूज़ | नलखेड़ा

गत दिनों नलखेड़ा पुलिस थाने के प्रभारी बदलने के आदेश जिला पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी द्वारा जारी किए गए थे, इसमें आगर कोतवाली थाना प्रभारी शशि उपाध्याय को नलखेड़ा की कमान सौंपी गई थी। जिनके द्वारा रविवार को पुलिस थाना प्रभारी के रूप में चार्ज लिया गया है। अब नए थाना प्रभारी के सामने क्षेत्र में बढ़ रहे अपराधों पर नियंत्रण की एक गंभीर चुनौती है। जिससे वे कैसे निपटती है यह आने वाले दिनों में ज्ञात होगा। स्थानीय पुलिस थाने पर नए प्रभारी के रूप में निरीक्षक शशि उपाध्याय की नियुक्ति हुई है। जिसके कंधों पर कानून व्यवस्था बनाये रखने के साथ ही बढ़ते अपराधों को नियंत्रित करने की एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। चूंकि नलखेड़ा में विश्व प्रसिद्ध सिद्धपीठ माँ बगलामुखी का मंदिर स्थित है जहाँ प्रतिदिन हजारों एवं अवकाश व विशेष पर्व पर लाखों दर्शनार्थी पहुंचते हैं। इतनी बड़ी संख्या में दर्शनार्थियों के पहुंचने के चलते यहाँ



अपराधी भी सक्रिय रहते हैं। आये दिन चैन स्मॉकिंग, दोपहिया वाहन चोरी, मोबाइल चोरी जैसी घटनाएं घटित हो रही हैं। इन अपराधिक घटनाओं को रोकने के साथ ही अपराधियों तक पहुंचना सबसे बड़ी चुनौती रहेगी। इसके साथ ही मंदिर पर भीड़ नियंत्रण कर कानून व्यवस्था बनाये रखना भी नए थाना प्रभारी के लिए टेडी खर साबित हो सकता है। लगभग 16 माह बाद फिर से नलखेड़ा थाने का प्रभार सम्हाल रही शशि उपाध्याय के लिए बढ़ते ऑनलाइन फ्रॉड, अवैध नशीले पदार्थों के बढ़ते व्यापार के साथ अन्य अपराधों पर नियंत्रण करना अपने पूर्व कार्यकाल की तुलना में अधिक कठिन कार्य हो सकता है। क्योंकि बीते 16 माह में अपराधों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है साथ ही पुलिस की कार्यप्रणाली से अपराधियों के हाँसले भी बुलाईयों पर है। ऐसे में सीमित बल व सीमित संसाधनों के साथ उक्त कठिन चुनौतियों से नई थाना प्रभारी कैसे पार पाती है यह आने वाला समय ही बताएगा।

शशि उपाध्याय ने लिया नलखेड़ा पुलिस थाना प्रभारी का चार्ज



नलखेड़ा। रविवार को नलखेड़ा पुलिस थाना प्रभारी का चार्ज निरीक्षक शशि उपाध्याय द्वारा लिया गया। गत दिनों आगर कोतवाली प्रभारी से नलखेड़ा पुलिस थाना प्रभारी के रूप में निरीक्षक शशि उपाध्याय का ट्रांसफर हुआ था जिनके द्वारा रविवार को नलखेड़ा पहुंचकर चार्ज लिया गया। चार्ज लेने के पूर्व श्रीमती उपाध्याय द्वारा माँ बगलामुखी के दर्शन पूजन किये उसके पश्चात पुलिस थाना पहुंचकर चार्ज लिया गया। चार्ज लेने के उपरांत पुलिस थाना स्टॉफ द्वारा उनका स्वागत किया गया। गौरतलब है कि इसके पूर्व भी श्रीमती उपाध्याय नलखेड़ा थाना प्रभारी रह चुकी है जिनका लगभग 16 माह पूर्व आगर कोतवाली प्रभारी के रूप में ट्रांसफर हो गया था।



खेत में मिला 7 फीट का अजगर

हरिभूमि न्यूज़ | मंदसौर

गरोठ वन परिक्षेत्र के बामनी गांव में एक खेत से 7 फीट लंबा और 13 किलोग्राम वजनी अजगर मिला। अजगर मिलने की खबर से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, रविवार दोपहर करीब 12 बजे एक किसान के खेत में बने भूसे के कोठार में ग्रामीणों ने अजगर को देखा। खेत मालिक भगवान सिंह ने तुरंत प्रभारी रेंजर नागुलाल मालवीय को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही गरोठ और भानपुरा वन विभाग की एक टीम मौके पर पहुंची। टीम में डिप्टी रेंजर दीवान सिंह जादवन, मुकेश मालवीय, दिलीप सिंह, किशोर गोस्वामी और सुनील बागड़ी शामिल थे। वन विभाग की टीम ने ग्रामीणों के सहयोग से महज आधे घंटे में अजगर का सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया। रेस्क्यू के बाद वन विभाग की टीम अजगर को गांधीसागर वन्यजीव अभयारण्य के प्राकृतिक आवास में सुरक्षित छोड़ने के लिए ले गई। वन विभाग के रेंजर नागुलाल मालवीय ने ग्रामीणों से अपील की है कि वन्यजीव दिखने पर घबराने के बजाय तुरंत विभाग को सूचित करें।



‘बूंद-बूंद से सिंचाई, हर दिन कमाई’

मल्टिपिंग और ड्रिप से नलखेड़ा के किसान बाबूलाल यादव की प्रतिदिन 40 हजार की आय

नलखेड़ा। उद्यानिकी विभाग के तकनीकी मार्गदर्शन से ग्राम बड़ागांव, विकासखण्ड नलखेड़ा के प्रगतिशील किसान बाबूलाल यादव ने आधुनिक खेती अपनाकर सफलता की नई मिसाल कायम की है। श्री यादव ने अपने 2 हेक्टेयर खेत में खीरा, करेला एवं गेंदा की खेती मल्टिपिंग विथ ड्रिप इरीगेशन तकनीक से की है। करेले की लहलहाती बेलें और स्वस्थ फसल इस तकनीक की सफलता का प्रमाण है। इस वैज्ञानिक पद्धति से पानी, श्रम और उर्वरक की बचत के साथ-साथ फसल की गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। मल्टिपिंग से खरपतवार नियंत्रण और नमी संरक्षण हुआ, वहीं ड्रिप से पौधों को



समय पर पानी मिला। किसान श्री यादव के अनुसार प्रतिदिन उनके खेत से लगभग 10 क्विंटल सब्जियां मंडी में विक्रय के लिए जाती हैं। इससे उन्हें प्रतिदिन लगभग 40 हजार रुपये की आय प्राप्त हो रही है। गेंदा की फसल से अतिरिक्त



आय भी हो रही है। बाबूलाल की यह सफलता क्षेत्र के किसानों को भी प्रेरित कर रही है। अब अन्य किसान भी उद्यानिकी विभाग से संपर्क कर फूलों एवं सब्जियों की मल्टिपिंग खेती अपनाने के लिए आगे आ रहे हैं।

महावीर जिनालय में चल रहे प्रवचन, भक्तों की उमड़ रही है भीड़ ‘गुरु और परमात्मा पर दृढ़ विश्वास के बिना आत्मकल्याण संभव नहीं’

हरिभूमि न्यूज़ | नलखेड़ा

विश्वास और आस्था जीवन का आधार हैं। एक अनजान व्यक्ति से विवाह कर महिला नए परिवार में विश्वास के साथ प्रवेश करती है। छोटा बच्चा माता-पिता की उंगली पकड़कर इसलिए चलता है, क्योंकि उसे विश्वास होता है कि वे उसे गिरने नहीं देंगे। इसी प्रकार मनुष्य का जीवन भी विश्वास के सहारे आगे बढ़ता है। आत्मकल्याण के मार्ग पर गुरु, धर्म और परमात्मा के प्रति दृढ़ आस्था और श्रद्धा आवश्यक है। यह विचार परम पूज्य विश्वक्षण ज्योति, मालव मणि, प्रवर्तनी महोदया चंद्रप्रभा श्रीजी महाराज साहब की सुशिष्या साध्वी रत्न निधि श्रीजी महाराज साहब ने महावीर जिनालय नीमच में चल रही चातुर्मासिक आराधना के अंतर्गत प्रवचन में व्यक्त किए। साध्वीश्री ने कहा कि संसार में विश्वास के बिना कुछ भी नहीं चलता, लेकिन विश्वास के साथ विवेक और सजगता भी जरूरी है। हम बाजार से आहार सामग्री विश्वास के आधार पर खरीदकर लाते हैं, लेकिन वस्तु की निर्माण प्रक्रिया और उसकी शुद्धता हमारे सामने नहीं होती। आधुनिक समय में रसोई की अनेक वस्तुएं रेडीमेड रूप में घर आने लगी हैं। इनके निर्माण में जीवदया का कितना पालन हुआ, यह भी विचारणीय है। इसलिए विशेषकर चातुर्मास के दौरान



आहार सामग्री के उपयोग में विवेक रखना चाहिए। जीवदया का पालन पुण्य की वृद्धि और पाप कर्मों के बंधन को कम करने का माध्यम बन सकता है। उन्होंने कहा कि हम वर्षों पुराने ड्राइवर पर विश्वास कर लेते हैं, लेकिन साधु-संतों की बात पर पूर्ण विश्वास क्यों नहीं करते? मनुष्य को यह समझना चाहिए कि गुरु और परमात्मा पर दृढ़ विश्वास के बिना आत्मकल्याण संभव नहीं है। तत्त्वार्थ सूत्र में सम्यक दर्शन का महत्व बताया गया है। श्रद्धा और भक्ति के बिना धार्मिक क्रिया भी अपने वास्तविक उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर सकती।



दृष्टांत से समझाया आस्था का महत्व

साध्वीश्री ने गणेश मंदिर का दृष्टांत सुनाते हुए कहा कि एक व्यक्ति प्रतिदिन गणेशजी को लड्डू चढ़ाता था। एक दिन चूहा लड्डू खा गया तो उसने चूहे को शक्तिशाली मानकर उसकी पूजा शुरू कर दी। बाद में बिल्ली ने चूहे को खा लिया तो वह बिल्ली की पूजा करने लगा। बिल्ली को उसकी पत्नी ने मार दिया तो वह पत्नी को शक्तिशाली मानने लगा और परिस्थितियों के अनुसार अपनी आस्था बदलता रहा। अंततः जब पुलिस उसे पकड़कर ले गई तो उसे बोध हुआ कि उससे भी अधिक शक्तिशाली पुलिस है। उन्होंने कहा कि यह प्रसंग बताता है कि थोड़े से लाभ अथवा परिस्थिति बदलने पर

अपनी आस्था बदल देना सम्यक दृष्टि नहीं है। हमें अपने देव, गुरु और धर्म के प्रति आस्था को परिस्थितियों से प्रभावित नहीं होने देना चाहिए। सुलसा सती और अंबड श्रावक के कथानक का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सुलसा सती की परमात्मा महावीर के प्रति दृढ़ आस्था प्रेरणादायक है। हमें भी चिंतन करना चाहिए कि हमें मनुष्य जन्म मिला, जिनशासन मिला और 45 आगम जैसी अमूल्य विरासत मिली, फिर भी हम अपने आत्मकल्याण के लक्ष्य से क्यों भटक रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपनी गलतियों का चिंतन और आत्मालोकन आवश्यक है। जिनवाणी का श्रवण व्यक्ति के जीवन की दिशा बदल सकता है। अजुनमाती इसका उदाहरण है, जो प्रतिदिन छह हत्थक करता था, लेकिन जिनवाणी श्रवण के फलस्वरूप उसने जीवन में परिवर्तन आया और उसने सम्यक्त्व को प्राप्त किया। साध्वीश्री ने कहा कि मंदिर में पूजा करते समय केवल प्रतिमा की पूजा करने का भाव न होकर साक्षात् त्रिलोकीनाथ परमात्मा के गुणों का स्मरण और आराधना का भाव होना चाहिए। कल्पसूत्र में नागकेतु का प्रसंग भक्ति और पूजा की शक्ति की दर्शाता है। इसके पश्चात उन्होंने ह्यकशी धूप, कहीं छोवहू के अंतर्गत राजा वीरधवल और पद्मावती का प्रसंग आगे बढ़ाते हुए जीवन में आने वाली परिस्थितियों और उनसे मिलने वाली सीख पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि परिस्थितियां बदल सकती हैं, लेकिन धर्म, गुरु और परमात्मा के प्रति हमारी आस्था दृढ़ रहनी चाहिए। यही दृढ़ आस्था आत्मकल्याण के मार्ग को प्रशस्त करती है।

खबर संक्षेप

भाजपा शीलनाथ मंडल ने निकाली तिरंगा यात्रा



देवास। भाजपा प्रदेश नेतृत्व के निर्देशानुसार सद्गुरु शीलनाथ मंडल द्वारा रविवार को शहर में हजारों बाइको के साथ भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। मंडल अध्यक्ष शुभम चौहान के नेतृत्व में आयोजित यात्रा का शुभारंभ मकसी रोड स्थित बिलावली मंदिर से हुआ। यात्रा भाजपा जिलाध्यक्ष रायसिंह संघव के मार्गदर्शन एवं विधायक गायत्रीराजे पवार के नेतृत्व में निकाली गई। यात्रा प्रभारी अजय संघव ने बताया कि तिरंगा यात्रा बिलावली मंदिर से प्रारंभ होकर मंडल के विभिन्न प्रमुख वाडों एवं मार्गों से होती हुई प्रमिला राजे गार्डन पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान सैनिकों का सम्मान पुष्प माला पहनाकर किया गया। इस अवसर पर विधायक राजे ने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है। तिरंगा यात्रा में सभापति रवि जैन, महापौर प्रतिनिधि दुर्गाश अग्रवाल, विधानसभा प्रभारी ओम जोशी, मनोष जैन, जिला मन्त्री मनीष सोलंकी, विजयसिंह पवार, नेता प्रतिपक्ष मनीष सेन, रघुवीरसिंह भदोरिया, अनुसूचित जाति मोर्चा जिलाध्यक्ष प्रमोद डोगलिया, चिटू रघुवंशी, मंडल प्रभारी सचिन जोशी, एल्डरमैन राजेश यादव, सचिन सोनी, अजय संघव , मंडल मन्त्री अजय पहडिया भोलू जोशी, मंडल पदाधिकारी, जगप्रतिनिधि, सहित शहरवासी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

विश्व आदिवासी दिवस पर निकली जिला स्तरीय सांस्कृतिक महारैली

आदिवासी संस्कृति की दिखी भव्य झलक

उत्साह के साथ शामिल हुए समाजजन

हजारों समाज जन पगड़ी, साफा और पारंपरिक आभूषणों से सजे रैली में शामिल हुए, जगह- जगह हुआ स्वागत

हरिभूमि न्यूज ►► देवास/चापड़ा

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को देवास में जिला स्तरीय आदिवासी सांस्कृतिक महारैली निकाली गई। रैली में बच्चे, युवा और बुजुर्ग पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। पुरुषों ने पगड़ी और साफा पहना था, जबकि महिलाएं पारंपरिक आभूषणों और रंग-बिरंगे परिधानों में नजर आईं। रैली के दौरान देवास की सड़कों पर आदिवासी संस्कृति की झलक दिखाई दी। रैली में शामिल होने के लिए समाजजन पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे थे। बच्चों ने भी अपनी संस्कृति के अनुसार वेशभूषा पहनकर उत्साह के साथ हिस्सा लिया। महारैली में डीजे की धुन के साथ पारंपरिक नृत्य भी आकर्षण का केंद्र रहा। बड़ी संख्या में युवा डीजे की धुन पर थिरकते नजर आए। कई लोग अपनी पारंपरिक शैली में नृत्य करते हुए आगे बढ़ रहे थे। महारैली भोपाल रोड से होते हुए नर दरवाजा क्षेत्र सहित शहर के अलग-अलग मार्गों से गुजरी। करीब दो घंटे तक शहर की सड़कों पर आदिवासी संस्कृति की झलक दिखाई देती रही।

दिखी आदिवासी संस्कृति की भव्य झलक

चापड़ा। पारंपरिक वेशभूषा में तीर कमान और फरसा लेकर शामिल हुए महिला पुरुष युवा बच्चे नगर में जगह-जगह पुष्प वर्षा से स्वागत हुआ। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर रविवार को कमलापुर में आदिवासी संस्माज द्वारा भव्य रैली सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं आम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आदिवासी समाज की सांस्कृतिक परंपरा और एकजुट की शानदार झलक देखने को मिली। खंडवा, खरगोन, संघवा सहित आसपास के अनेक गांवों और क्षेत्र से बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग कमलापुर पहुंचे जहां हजारों की संख्या में महिला पुरुष युवा और बच्चे



पारंपरिक वेशभूषा में सज धज कर कार्यक्रम स्थल में शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में सुबह से ही समाज जनो का पहुंचाना शुरू हो गया था। विद्यालय प्रांगण से आदिवासी समाज की बड़ी संख्या में हजारों की संख्या में समाजजनों ने विशाल रैली निकाली रैली में बड़ी संख्या में महिला पुरुष युवा एवं बच्चे शामिल हुए रैली नगर के प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी। इस दौरान आदिवासी समाज की सांस्कृतिक और परंपराओं की मनमोहन झलक देखने को मिली पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य करते हुए समाज जन रैली में आगे बढ़ते रहे रैली के स्वागत के लिए नगर में विभिन्न स्थानों पर स्वागत मंच बनाए गए थे। नगर वासी और विभिन्न समाज के संगठनों की ओर से रैली का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। जाट मोहल्ले में जीवन जाट सुनील जाट, दीपक मिश्रा, अमीन कुरैशी, जागेश्वर भक्त मंडल राजेश बेनीवाल, सरपंच प्रतिनिधि रवि चौहान, उप सरपंच अतीक जैदी, जेडी काजी, रामेश्वर गुर्जर, दिलीप गुर्जर, कालु गुर्जर ने किया। इसआम सभा की शुरुआत



आदिवासी समाज की परंपरा अनुसार धरती माता भगवान बिरसा मुंडा, टंटया मामा सहित समाज के पूर्वजों की पूजा अर्चना के साथ की गई। बालिकाओं की प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया।विश्व आदिवासी दिवस के आयोजन में जनपद अध्यक्ष नाहर सिंह मुजाल्दे, अमर सिंह चौहान, बैर सिंह डावर, नंदु रावत, अनीता अलावा, ज्ञान सिंह अजनारिया, मुकेश बार्मानिया, प्रदीप मुजाल्दे, छगन बुंदेला, रघुनाथ अखाड़िया सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। वही कमलापुर थाना प्रभारी सर्जन सिंह मीणा अपनी टीम के साथ पूरे समय मौजूद रहे।

घाट के पाथवे का नपं अध्यक्ष बघेल ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ►► सोनकच्छ

कालीसिंध नदी किनारे स्थित पिपलेश्वर घाट पर अमृत 2.0 योजना के तहत निर्माणाधीन वॉटर बॉडी रीजुवनेशन कार्य को लेकर उठे सवालों के बीच नगर परिषद अध्यक्ष श्रुतिसिंह कृष्णपालसिंह बघेल ने शुक्रवार को मौके पर पहुंचकर पाथवे का निरीक्षण किया। चल रहे निर्माण कार्य की वर्तमान स्थिति देखी और स्पष्ट कहा कि जनता के धन से होने वाले विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। बघेल ने बताया कि नगर परिषद की ओर से मामले में कलेक्टर ऋतुराजसिंह को विस्तृत स्पष्टीकरण भी भेजा गया है। स्पष्टीकरण अनुसार अमृत 2.0 योजना के तहत पिपलेश्वर घाट पर वॉटर बॉडी रीजुवनेशन कार्य की कुल स्वीकृत



लागत 41.62 लाख रुपए है जिसमें पेवर पाथवे की लागत 2.27 लाख रुपए है। परियोजना का करीब 95 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। नपं अध्यक्ष के अनुसार लगातार बारिश और कालीसिंध नदी में जलभराव के कारण पेवर पाथवे का कुछ हिस्सा प्रभावित हुआ था। नगर परिषद ने इस संबंध में 17 जुलाई 26 को ही संबंधित ठेकेदार को क्षतिग्रस्त इंटरलॉकिंग हटाकर पुनः

निर्माण करने के निर्देश दिए थे। वर्तमान में प्रभावित हिस्से का सुधार कार्य जारी है। क्षतिग्रस्त हिस्से का भुगतान रोक रखा है। अध्यक्ष बघेल ने स्पष्ट किया कि क्षतिग्रस्त पाथवे के हिस्से का अब तक ठेकेदार को कोई भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप कार्य पूरा होने और संतोषजनक परीक्षण के बाद ही भुगतान किया जाएगा। पिपलेश्वर

घाट का निरीक्षण संभागीय कार्यालय उज्जैन के संयुक्त संचालक राजीव निगम, मुख्य कार्यपालन यंत्री गजानंद चैहान एवं तकनीकी टीम द्वारा भी किया जा चुका है। टीम ने मौके पर निर्माण कार्य की गुणवत्ता, पाथवे के लेवल सहित विभिन्न बिंदुओं का निरीक्षण किया। तकनीकी टीम द्वारा निर्माण में इस्तेमाल की गई सामग्री के सैंपल भी लिए गए हैं जिनकी जांच के बाद निर्माण की गुणवत्ता को लेकर स्थिति और स्पष्ट होगी। इससे पाथवे निर्माण में इस्तेमाल सामग्री की गुणवत्ता भी तकनीकी जांच के दायरे में आ गई है। नपं अध्यक्ष बघेल ने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी प्रकार की तकनीकी कमी सामने आने पर उसे दुरुस्त कराया जाएगा और निर्धारित मापदंडों के विपरीत कार्य स्वीकार नहीं किया जाएगा।

शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में विश्व आदिवासी दिवस पर नारी शक्ति व्यायाम शाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ►► सुन्देल

विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में रविवार को शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, सुन्देल में नारी शक्ति व्यायाम शाला एवं अखाड़ा, कांटाफोड़ द्वारा प्रमाण-पत्र वितरण एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में अखाड़े से जुड़ी 40 से अधिक आदिवासी एवं अन्य बालिकाओं को नियमित प्रशिक्षण, उत्कृष्ट प्रदर्शन और अनुशासन के लिए अतिथियों द्वारा प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनोज होलानी रहे, जबकि अध्यक्षता नगर पंचायत कांटाफोड़ अध्यक्ष कैलाश अमोदिया ने की। विशेष अतिथि के रूप में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी लखन सोलंकी, विश्व हिंदू परिषद जिला उपाध्यक्ष बीना यादव, राजाराम यादव, भाजपा नेता दीपचंद मीणा, प्राचार्य मोहन भावसार, मुकेश राठौर एवं संतोष मुकाती सहित अन्य अतिथि मौजूद रहे। समारोह का आकर्षण



अखाड़े की बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत पारंपरिक अखाड़ा कला का शानदार प्रदर्शन रहा। बालिकाओं ने साहस, अनुशासन और आत्मविश्वास का परिचय देते हुए विभिन्न करतब प्रस्तुत किए, जिसे देखकर उपस्थित अतिथियों एवं दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं। संस्था संचालक शिव कुमार बिंजवा एवं महिला शाखा

संचालिका मयूरी बिंजवा ने बालिकाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि निरंतर अभ्यास और समर्पण के बल पर बेटियां खेल एवं अखाड़ा कला के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल कर सकती हैं।कार्यक्रम का संचालन शिक्षाविद दिनेशचंद्र पंचोली ने किया, जबकि आभार रानी बिंजवा ने माना।

संघ ने मांगे न मानने पर दी आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ►► चापड़ा

भारतीय किसान संघ हाटपिपल्या एवं बागली तहसील के कई गांव में जनवरी माह में हुई भारी ओलावृष्टि से किसानों की फसले तबाह हो गई थी। उस समय राजस्व मंत्री,करण सिंह वर्मा,कलेक्टर, विधायक सभी खेतों में पहुंचे थे लेकिन सात माह बीत जाने के बाद भी किसानों की सुध नहीं ली गई। भारतीय किसान संघ ने शनिवार को हाटपिपल्या तहसीलदार को ओलावृष्टि की शीघ्र क्षतिपूर्ति करने एवं कई गांवों में फसल बीमा नहीं के बराबर मिलने के साथ ही ऐसे गांव जो फसल बीमा से पूर्ण रूप से वंचित रह गए है जैसी सभी मांगों को लेकर कलेक्टर के नाम



जापान दिया। अध्यक्ष रामनारायण यादव ने कहा कि अगर जल्द ही किसानों की बात नहीं मानी गई तो किसान बड़ा आंदोलन करने के लिए मजबूर होगा। जापन के समय प्रांत सदस्य राम प्रसाद

सूर्या जिला अध्यक्ष हुकम पटेल , केदार मल फाटीदार, गोकुल सिंह चौहान,मंत्री ओमप्रकाश फाटीदार, हरीश मंडलोई, माखनलाल नाहर , महेश मुकाती एवं अनेक किसान उपस्थित थे।

लोक शिक्षण संचालनालय ने विद्यालय का किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ►► चापड़ा

लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल से उप सचिव मंजुषा विक्रान्त राय एवं अमृता सिंह ने पीएम श्री शासकीय उमावि कमलापुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया तथा उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों, विषयगत समझ और सीखने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान विज्ञान एवं कंप्यूटर प्रयोगशालाओं का भी अवलोकन



किया गया। उन्होंने प्रयोगशालाओं में उपलब्ध संसाधनों का जायजा लेते हुए प्रभारी प्राचार्य अनन्त नागर निर्देश को दिए कि प्रयोगशाला में स्मार्ट बोर्ड का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए तथा

के निर्देश दिए, ताकि सभी विद्यार्थियों को अपार आईडी समय पर तैयार हो सके। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ द्वारा विद्यालय के समग्र विकास के लिए बाउंड्रीवाल निर्माण, एक सभा कक्ष, 11 अतिरिक्त कक्षों के निर्माण तथा आवश्यक संख्या में शिक्षकों की पदस्थापना की मांग रखी गई। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी राजीव सूर्यवंशी के निर्देशन में जिले की ओर से अर्जुन सिंह मालवीय प्राचार्य व मतिन खान एवं स्कूल स्टाफ उपस्थित थे।

पुष्पगिरी तीर्थ पर आयोजित हुआ हर मास एक उपवास महाअभियान कार्यक्रम

जन्म से जैन नहीं पर जैन सिद्धांत से प्रभावित हूं: राज्यपाल

हरिभूमि न्यूज ►► सोनकच्छ

संतों की वाणी के पीछे परमात्मा की वाणी होती है, मेरा सौभाग्य है कि आज में दो सागरों के मध्य खड़ा हूँ धन्य है वो माता-पिता जिनकी कोख ने जगत के कल्याण करने के लिए संत को जन्म दिया। ऐसे संत पुण्यदंत सागर व अंतर्मना प्रसन्न सागर को में प्रणाम करता हूँ । यह बात अंतर्मना धार्मिक एवं पारमार्थिक न्यास तथा पतंजलि योगपीठ हरिद्वार से संयुक्त तत्वाधान पुष्पगिरी तीर्थ पर आयोजित हर मास एक उपवास महाअभियान कार्यक्रम में पूज्य चिन्मयानंद स्वामी बापू हरिद्वार ने कही। आगे कहा कि हर महीने की 7 तारीख को पूरे विश्व का साथ मिल जाए तो विश्व में हर मास एक उपवास की क्रांति आ सकती है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कर्नाटक राज्य के महामहिम राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि मैं जन्म से जैन नहीं हूँ लेकिन जैन धर्म के सिद्धांतों से में बहुत प्रभावित हूँ, जिस प्रकार योग को बाबा रामदेव जी ने हरिद्वार से घर के द्वार तक पहुंचाया है उसी प्रकार गुरुदेव का अभियान हर मास एक उपवास विश्व कल्याण



में सार्थक होगा। मैंने भी अपने जीवन में एक जैन संत से मिलकर आजीवन सौफ का त्याग किया है। आयोजन में गुरु गणाचार्य पुण्यदत सागर ने कहा अगर जीवन में शरीर सही होगा तो जीवन सही चलेगा और शरीर को सही रखना तो हर मास एक उपवास तो करना ही पड़ेगा। प्रवक्ता रोमिल जैन ने बताया कि आयोजन से पूर्व

गणाचार्य श्री पुण्यदत सागर महाराज के आशीर्वाद व आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ससंघ सानिध्य में अतिथियों के द्वारा द्वीप प्रज्वलन के साथ आयोजन का शुभारंभ हुआ। मंगलाचरण संघ के नेगम सागर जी महाराज ने किया। मुख्य अतिथि राज्यपाल गहलोत कथा वाचक बापू, वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री दिलीप

अहिरवार, पदमश्री कालुराम बार्मानिया, पतंजलि एस.के.जे. प्रदीप त्रिजारावाला, प्रमोद जोशी आस्था चैनल सीईओ, सबरस कवि शशिकांत यादव कवि देवास, अमन अक्षर फिल्मी गीतकार इंदौर आदि का सम्मान स्वागताध्यक्ष विधायक डॉ. राजेश सोनकर सोनकच्छ व पुष्पगिरी परिवार द्वारा किया गया। संघ के प्रवर्तक मुनि सहज सागर महाराज ने उपवास से होने वाले फायदों पर प्रकाश डाला। वही संचालनकर्ता उपाध्याय मुनि पीयूष सागर महाराज ने कहा कि जीवन का उपवास न हो इसलिए हर मास एक उपवास जरूर करे। इस अवसर पर कलेक्टर ऋतुराजसिंह, अपर कलेक्टर संजीव जैन, एसपी पुनीत गहलोत, पुष्पगिरी अध्यक्ष प्रकाश अजमेरा, सचिव सुभाष जैन, जैन समाज अध्यक्ष महेन्द्र पाटोदी, कार्याध्यक्ष अशोक डोसी, समन्वयक आकाश जैन, जिला अध्यक्ष रायसिंह संघव, जिला पंचायत अध्यक्ष लीला अटरिया, नपं अध्यक्ष श्रुतिसिंह बघेल, मंडल अध्यक्ष विजेंद्रसिंह राजपूत मानास, राहुल धाकड़ सहित बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित थे। आभार पुष्पगिरी अध्यक्ष ने माना।

भौरासा पुलिस ने किया दो नकबजनी का खुलासा

शत-प्रतिशत मश्रुका किया बरामद



हरिभूमि न्यूज ►► भौरासा

थाना भौरासा क्षेत्र में हुई दो अलग-अलग नकबजनी की घटनाओं का पुलिस ने ऑपरेशन “त्रिनेत्रम” के तहत सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से खुलासा किया है। पुलिस ने एक आरोपी सहित चार विधि से संघर्षत बालकों की पहचान कर दोनों मामलों में चोरी गया सोने-चांदी का शत-प्रतिशत मश्रुका बरामद किया है। 29 जुलाई को फरियादी लोकेश चौहान पिता बाबूलाल चौहान, निवासी वार्ड क्रमांक 15, लक्ष्मीबाई मार्ग, भौरासा ने थाना भौरासा में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि अज्ञात बदमाश उसके घर का ताला तोड़कर करीब 50 हजार रुपए कीमत के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए हैं। रिपोर्ट पर थाना भौरासा में अपराध क्रमांक 326/2026, धारा 305(ए) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। इसी प्रकार दूसरी घटना में 1 अगस्त को फरियादी सुनील नागौरी पिता रामचंद्र, निवासी वार्ड क्रमांक 15, भौरासा ने शिकायत दर्ज कराई कि अज्ञात बदमाश घर का ताला तोड़कर अलमारी में रखे करीब 55

हजार रुपए कीमत के सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर ले गए। पुलिस ने अपराध क्रमांक 332/2026, धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया। दोनों प्रकरणों की विवेचना के दौरान थाना भौरासा पुलिस ने घटनास्थल एवं आसपास ऑपरेशन “त्रिनेत्रम” के तहत स्थापित सीसीटीवी कैमरों के फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया। साथ ही मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। मुखबिर सूचना के आधार पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 326/2026 में कुलदीप पिता मेहरबान सिंह मालवीय, निवासी भौरासा सहित दो विधि से संघर्षत बालकों की पहचान की। पुलिस ने आरोपियों से चोरी गया पूरा मश्रुका बरामद कर विधि अनुसार कार्रवाई की। वहीं अपराध क्रमांक 332/2026 में दो अन्य विधि से संघर्षत बालकों की पहचान कर उनके संबंध में भी नियमानुसार कार्रवाई की गई तथा चोरी गया पूरा मश्रुका बरामद कर लिया गया। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी भौरासा निरीक्षक अनीता सिंह, उर्ति पी.सी. सोलंकी, प्र.आर.मन्नुलाल, अभिषेक त्रिपाठी, जितेन्द्र तोमर एवं आर. पूषेन्द्र सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

आसमान में छाएगा अंधेरा 12 अगस्त को लगेगा सदी का रोमांचक सूर्य ग्रहण

हरिभूमि न्यूज ►► कांटाफोड़

आगामी 12 अगस्त बुधवार को आसमान में एक अद्भुत खगोलीय घटना घटने जा रही है। इस दिन पूर्ण सूर्य ग्रहण लगेगा, जिसके दौरान चंद्रमा सूर्य को पूरी तरह ढक लेगा और ग्रहण के पूर्णता वाले क्षेत्ों में दिन के उजाले के बीच कुछ समय के लिए रात जैसा अंधकार छा जाएगा। ग्रीनलैंड, आइसलैंड, उत्तरी रूस, स्पेन और पुर्तगाल के कुछ हिस्सों में पूर्ण सूर्य ग्रहण का रोमांचक नजारा देखने को मिलेगा, जबकि कई अन्य क्षेत्रों में यह आंशिक रूप से दिखाई देगा। खास बात यह है कि यह सूर्य ग्रहण भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए



स्थानीय पंचांग एवं परंपरा का पालन किया जाना उचित रहेगा। ज्योतिषाचार्य पंडित अनंदवाला शास्त्री, राजस्थान के अनुसार ग्रहण का ज्योतिषीय प्रभाव राशियों पर भी माना जा रहा है। मेष, मिथुन, सिंह और तुला राशि के लिए समय शुभ एवं उन्नीतिदायक, जबकि वृषभ, कन्या, कुंभ और कर्क के लिए मध्यम फलदायी बताया गया है। वहीं वृश्चिक, मीन, धनु और मकर राशि वालों को धैर्य और सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

खबर संक्षेप

तेज रफ्तार ट्रक ने किशोर को कुचला, पैर घायल

ललितपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के मसौरा बैरियर के पास शनिवार दोपहर तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रहे ट्रक ने सड़क पार कर रहे 14 वर्षीय किशोर को टक्कर मार दी। हादसे में किशोर का दाहिना पैर ट्रक के अगले पहिए के नीचे आ जाने से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना के बाद चालक ट्रक को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। घायल किशोर को परिजनों ने तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। भाई की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम मसौरा खुर्द निवासी मानसिंह पुत्र अशोक कुमार अहिरवार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका 14 वर्षीय छोटा भाई चंद्रभान शनिवार 8 अगस्त को दोपहर करीब 12 बजे मसौरा बैरियर स्थित मामा होटल से नाश्ता करके पैदल सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान ललितपुर की ओर से तेज गति से आ रहे ट्रक आर.जे.11 जी.बी. 5531 के चालक ने वाहन को कथित तौर पर लापरवाही से चलाते हुए चंद्रभान को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद चंद्रभान सड़क पर गिर गया और उसका दाहिना पैर ट्रक के अगले पहिए के नीचे आ गया। हादसे के बाद किशोर की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। लोगों को अपनी ओर आता देख आरोपी चालक ट्रक को मौके पर ही छोड़कर फरार हो गया।

विवाद में तीन युवकों ने युवक को पीटा

ललितपुर। कस्बा तालबेहट के मोहल्ला चौबयाना में घर के दरवाजे पर ई-रिक्षा खड़ा करने को लेकर विवाद हो गया। आरोप है कि गाली-गलौज का विरोध करने पर तीन लोगों ने एक युवक के साथ मारपीट कर दी। शोर सुनकर मौके पर पहुंचे मोहल्लेवासियों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। घटना के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित की तहरीर पर तालबेहट पुलिस ने तीन नशामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मोहल्ला चौबयाना निवासी तेज सिंह पुत्र गजराज सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि शनिवार 8 अगस्त की रात करीब 9.30 बजे वह सब्जी मंडी के पास स्थित अपने घर के दरवाजे पर ई-रिक्षा खड़ा कर रहा था। इसी दौरान मोहल्ले का कमलेश पुत्र महेश झां वहां पहुंचा और कथित तौर पर बिना किसी कारण गाली-गलौज करने लगे। तेज सिंह ने जब गाली देने से मना किया तो आरोप है कि कमलेश ने अपने साथी संतोष पुत्र ग्यासीराम नामदेव और संजू उर्फ संजय नामदेव को बुला लिया। इसके बाद तीनों ने मिलकर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। तहरीर के आधार पर तालबेहट पुलिस ने कमलेश, संतोष और संजू उर्फ संजय नामदेव के खिलाफ तहत मुकदमा दर्ज किया है।

लाठी-डंडों व लात-घूंसों से मारपीट की

ललितपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के नेहरूनगर में पारिवारिक विवाद को लेकर एक महिला से गाली-गलौज और हाथापाई करने तथा बीच-बचाव करने आए उसके पति के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। आरोप है कि देवर, देवरानी और ससुर ने महिला के साथ अभद्रता करते हुए हाथापाई की। पत्नी को बचाने पहुंचे पति पर लाठी-डंडों और लात-घूंसों से हमला कर दिया गया, जिससे उसके पैर में गंभीर चोट आई। तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने तीन नशामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। नेहरूनगर निवासी लक्ष्मी पत्नी संजय ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 6 अगस्त की रात करीब 10 बजे वह अपने घर पर थी। इसी दौरान उसकी देवरानी, देवर अजय और ससुर रामकिशन एकराय होकर उनके घर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि वह इस दौरान तीनों आरोपियों ने संजय के साथ लाठी-डंडों और लात-घूंसों से मारपीट कर दी। हमले में संजय के पैर में गंभीर चोट आई। घटना के बाद आरोपियों ने उसके पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी।

निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में जागरूकता लाने की पहल की 300 लोगों की जांचकर बच्चों, अभिभावकों शिक्षकों व मोहल्लेवासियों को बांटी दवाएं



हरिभूमि न्यूज ►►ललितपुर

प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के तत्वावधान में एचबीएम हॉस्पिटल के सहयोग से मां सरस्वती ज्ञान मंदिर जूनियर हाई स्कूल इंग्लिश मीडियम, नेहरू नगर में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित अभिभावकों, शिक्षकों एवं मोहल्लेवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।



इस दौरान 300 से अधिक लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें आवश्यकतानुसार निःशुल्क दवाएं उपलब्ध कराई गईं। शिविर में चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा सभी रोगियों का ब्लड शुगर, बजन एवं ब्लड प्रेशर की जांच की गई। कुशल चिकित्सकों ने स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया तथा जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाएं वितरित कीं। एचबीएम हॉस्पिटल की ओर से योग्य

चिकित्सक डा.मोगलपुरई जे सुमेर (एमबीबीएस, एमडी जनरल मेडिसिन), सिस्टर सेतु, सिस्टर मार्था एवं सुरेश लाल ने स्वास्थ्य परीक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा मरीजों को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श एवं दवाएं उपलब्ध कराईं। इस दौरान डा. सुमेर ने बच्चों को विभिन्न रोगों से बचाव, स्वच्छता, खान-पान एवं स्वास्थ्य के प्रति सावधानी बरतने के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

अध्यक्ष अजय श्रीवास्तव ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा आचार्यजी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहम्मद बसीम खजुरिया एवं महामंत्री ध्रुव साहू विशेष रूप से मौजूद रहे। इस अवसर पर विद्यालय के संस्थापक एड विजय सिंह यादव, एमएलसी प्रतिनिधि, विद्यालय की प्रबंधक मानसी यादव एवं प्रधानाचार्य सीताराम, हाजी सगीरूद्दीन, लक्ष्मी साहू, नीलम रैकवार, निशा अहिरवार, शबाना, तमन्ना, यादवेंद्र सिंह, बहादुर सिंह, किशन सिंह बंजारा, कैलाश अहिरवार, कुमकुम राजा, महेंद्र राय, सहित विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में प्राइवेट स्कूल मैनेजमेंट एसोसिएशन के महामंत्री ध्रुव साहू ने शिविर को सफल बनाने में सहयोग करने वाले एचबीएम हॉस्पिटल के चिकित्सकों, विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों, अभिभावकों एवं सभी उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया।

ज्यादातर चिकित्सक व स्टाफ अपनी इयूटी से रहते नदारद मेडीकल कॉलेज में बायोमेट्रिक फेस स्क्रीनिंग हो: कपूर

हरिभूमि न्यूज ►►ललितपुर

बुंदेलखंड विकास सेना की आवश्यक बैठक स्थानीय कंपनी बाग में हुई। सेना प्रमुख हरीश कपूर टीटू की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में विगत दिवस जिलाधिकारी द्वारा ललितपुर राजकीय मेडीकल कॉलेज में छापा मारने और छापे के दौरान नदारद चिकित्सकों एवं मेडिकल स्टाफ के नदारद रहने तथा अपने दायित्वों का उचित प्रकार से निर्वहन न करने पर गहरी चिंता और रोष व्यक्त किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए सेना प्रमुख ने कहा कि ललितपुर का राजकीय मेडीकल कॉलेज घोर अव्यवस्था का केन्द्र बन चुका है। यहां पर चिकित्सक और पैरामेडिकल स्टाफ नदारद रहकर अपना पूरा वेतन प्राप्त कर रहा है।

सेना प्रमुख ने कहा कि जिलाधिकारी ने विगत दिवस राजकीय मेडीकल कॉलेज में छापा मारकर नदारद रहने वाले चिकित्सकों एवं स्टाफ की जांच कर जबाब तलब किया है जो कि एक प्रशंसनीय कार्य है। उन्होंने जिलाधिकारी से मांग की है कि आगामी समय में ललितपुर मेडीकल कॉलेज में चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की बायोमेट्रिक एवं फेस स्क्रीनिंग की जांच की व्यवस्था की जाये जिससे बहुत हद तक नदारद रहने वाले चिकित्सकों पर लगाम लगाई जा सकती है। मेन्युनली उपस्थिति हस्ताक्षर पर तत्काल प्रभाव से रोक



लगाई जाए। इसके अलावा इयूटी पर रहने वाले चिकित्सकों एवं स्टाफ की दो माह की लोकेशन को भी ट्रेस किया जाना आवश्यक है। बु. वि.सेना प्रमुख टीटू कपूर ने कहा मेडीकल कॉलेज के इमरजेंसी वार्ड में घोर अव्यवस्था का आलम है। इलाज करने से पहले मरीजों से दुर्व्यवहार किया जाता है तथा जांच के नाम पर टालमटोली की जाती है।उन्होंने प्रदेश सरकार के साथ-साथ जिला प्रशासन से मांग की कि मेडीकल कॉलेज में व्याप्त घोर अव्यवस्थाओं पर अंकुश लगाकर मात्र रिफर सेंटर बनने से रोका जाये अन्यथा कपूर उग्र आन्दोलन छेड़ने को बाध्य हो जायेगी। बैठक में वरिष्ठ कार्यकर्ता राजमल बुद्धा , कदीर खां , राजकुमार कुशवाहा , अमरसिंह बुन्देला , मुन्ना महाराज ल्गामी, प्रदीप पंडित , अमित कुमार , मिलन चौहान , जितेन्द्र विश्वकर्मा , देवेन्द्र राजा , प्रेमशंकर गुप्ता , अमित साहू , पंचमलाल झा , रामप्रकाश झा , कल्पना राजपूत , भैयन कुशवाहा , गौरव विश्वकर्मा, कामता शर्मा मौजूद रहे।

भाजपा का समरसता संकल्प अभियान संत शिरोमणि गुरु रविदास की कलश वंदन शोभायात्रा निकाली



हरिभूमि न्यूज ►►ललितपुर

जिले के बार मंडल के कस्बा बार में भारतीय जनता पार्टी ने आज पार्टी के उच्च नेतृत्व के निर्देश पर चल रहे समरसता संकल्प अभियान के तहत सन्त शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की छै सौ पचासवीं जयंती महोत्सव मनाये जाने के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए और कलश बन्दन यात्रा निकाली। जिला अध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत के नेतृत्व में एवं सदर विधायक रामरतन कुशवाहा एड के संयोजन में सन्त शिरोमणि गुरु रविदास जी के गोवर्धन बाराणसी से आये हुए पवित्र कलशों की शोभायात्रा प्रारंभ होने के पूर्व सन्त शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज के चित्र का पूजन, माल्यार्पण किया गया।इस अवसर भाजपा कार्यकर्ताओं और ग्रामीण महिलाओं पुरुषों द्वारा सन्त शिरोमणि गुरु रविदास के लिखित भजनों का कीर्तन हुआ। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष हरिश्चंद्र रावत ने कहा कि सन्त शिरोमणि गुरु रविदास का सनातन बांमय में महत्वपूर्ण स्थान है वे भक्त कवि मीराबाई के गुरु थे एवं पवित्र गुरु ग्रंथ साहिब में भी इनकी सैकड़ों रचनाएं संग्रहित हैं।हम उनके बारे में आमजन को भी विस्तार से परिचित कराने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि इस पवित्र कलश बन्दन यात्रा में उमड़ने वाली भीड़ से पता चल जाता है कि सन्त

कृषक खाताधारक बैंक में जमा करें नवीनतम दस्तावेज

ललितपुर। पंजाब नेशनल बैंक शाखा बिरधा ने क्षेत्र के समस्त कृषक खाताधारकों से अपने बैंक खातों एवं कृषि ऋण से संबंधित आवश्यक दस्तावेज नवीनतम रूप में शाखा में उपलब्ध कराने की अपील की है। बैंक प्रबंधन ने कहा है कि दस्तावेज समय से उपलब्ध होने पर बैंकिंग एवं कृषि ऋण संबंधी प्रक्रियाओं को सुचारु रूप से पूरा करने में सुविधा होगी। बैंक द्वारा कृषक खाताधारकों से नवीनतम आधार कार्ड की प्रति, भू-स्वामित्व संबंधी अभिलेख एवं खतौनी की प्रति सहित अन्य आवश्यक दस्तावेज शाखा में जमा करने का अनुरोध किया गया है। इन अभिलेखों के माध्यम से संबंधित दस्तावेजों का सत्यापन तथा बैंकिंग और ऋण संबंधी प्रक्रियाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जा सकेगा। शाखा प्रबंधन ने कृषकों से अपील की है कि वह बिना अनावश्यक देरी किए अपने आवश्यक एवं नवीनतम अभिलेख शाखा में प्रस्तुत करें, ताकि दस्तावेजों के सत्यापन अथवा कृषि ऋण से संबंधित कार्यवाही में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

रिमझिम मौसम में सिद्धिसागर एकेडमी ने मनाई हरियाली तीज विद्यार्थियों की माताओं ने गोमूत्र, डांस और मेहंदी प्रतियोगिता में लिया हिस्सा

हरिभूमि न्यूज ►►ललितपुर

सावन के रिमझिम मौसम में सिद्धिसागर एकेडमी में शनिवार को हरियाली तीज महोत्सव होशोल्लास और अनूठे अंदाज में मनाया गया। एकेडमी की खास पहल के तहत इस आयोजन में विद्यार्थियों के स्थान पर उनकी मिमियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। कार्यक्रम में शहर की सुप्रसिद्ध महिला चिकित्सक डा. सुष्मा जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रही। शुरुआत हरे परिधानों में सजी महिलाओं के स्वागत से हुई। अतिथियों एवं महिलाओं का टीका लगाकर तथा रक्षासुर बांधकर स्वागत किया गया। इसके बाद स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। एकेडमी की डायरेक्टर रीता जैन ने बताया कि विद्यालय द्वारा पिछले 21 वर्षों से लगातार हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों के माध्यम से विद्यार्थियों की माताओं के साथ विद्यालय के



स्वस्थ और सौहार्द्रपूर्ण संबंध स्थापित होतें हैं, जो बच्चों के व्यक्तित्व विकास में भी सहायक होते हैं। महोत्सव के दौरान मिमियों एवं शिक्षिकाओं ने विभिन्न गेम्स, संगीत और नृत्य कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सावन के मधुर गीतों से वातावरण पूरी तरह उत्सवमय हो गया। इसके साथ ही मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में एक से बढ़कर एक आकर्षक मेहंदी डिजाइन सामने आने के कारण विजेताओं का चयन निर्णायकों

ललितपुर हरिभूमि 07

बिगड़ी हालत, मेडिकल में भर्ती सर्पदंश का कहर, एक ही रात में युवती समेत चार को सांप ने डसा

हरिभूमि न्यूज ►►ललितपुर

जिले में शनिवार को रात अलग-अलग स्थानों पर सर्पदंश की चार घटनाओं से हड़कंप मच गया। एक युवती समेत चार लोगों को सांप ने डस लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन सभी को उपचार के लिए ललितपुर मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां ट्रॉमा सेंटर में चिकित्सकों की देखरेख में उनका उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार फिलहाल सभी की हालत स्थिर बनी हुई है। कोतवाली सदर क्षेत्र के बड़पुआ निवासी रोहित कुशवाहा शनिवार शाम करीब सात बजे अपने कमरे में सो रहा था। इसी दौरान सांप ने उसके हाथ में डस लिया। नींद खुलने पर रोहित ने कमरे से बाहर जाते सांप को देखा और मोबाइल से उसका वीडियो बना लिया। मेडिकल कॉलेज पहुंचने पर उसने चिकित्सकों को मोबाइल में सांप का वीडियो दिखाया, ताकि सांप की पहचान के आधार पर उपचार में मदद मिल सके। दूसरी घटना मध्य प्रदेश के अशोकनगर जिले के चंदेरी थाना क्षेत्र के चुरावन गांव की है। यहां विनोद शनिवार दोपहर खेत में काम कर रहा था। इसी दौरान सांप ने उसके पैर में डस लिया। घटना की जानकारी परिजनों को दी गई, जिसके बाद शाम करीब सात बजे परिजन उसे उपचार के लिए ललितपुर मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। कोतवाली सदर क्षेत्र के पचौनी गांव निवासी रूप सिंह पुत्र हजरत

बारिश के मौसम में बढ़ जाता है सर्पदंश का खतरा
बारिश के मौसम में सांप अक्सर सुरक्षित और सूखे स्थान की तलाश में घरो, खेतों और आसपास के क्षेत्रों में पहुंच जाते हैं। ऐसे में लोगों को रात के समय विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। चिकित्सकों की सलाह है कि सर्पदंश की स्थिति में ड्राइ-फ्रूक या घरेलू उपचार में समय बचाने के बजाय पीड़ित को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया जाए।

शनिवार शाम करीब छह बजे शहजाद नदी के किनारे बैठे थे। इसी दौरान सांप ने उन्हें डस लिया। बताया गया कि रूप सिंह ने सांप को हाथ से पकड़कर दूर फेंक दिया और घटना की जानकारी परिजनों को दी। हालत बिगड़ने पर परिजन रात करीब दस बजे उन्हें मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे। थाना बार क्षेत्र के देवरान गांव निवासी कीर्ति शनिवार रात करीब दस बजे घर के बाहर बने चबूतरे पर जा रही थी। इसी दौरान वहां बैठे सांप पर उसका पैर पड़ गया। सांप ने उसे दो बार डस लिया। सर्पदंश के बाद उसकी हालत बिगड़ने पर परिजन उसे तत्काल मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, जहां उसे भर्ती कर उपचार शुरू किया गया। ट्रॉमा सेंटर में तैनात चिकित्सक डा.मानवेंद्र सिंह ने बताया कि शनिवार रात करीब दस बजे तक सर्पदंश के चार मरीज, जिनमें एक युवती भी शामिल है।

10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान में हर चौराहा बना जागरूकता का केंद्र नशे के नुकसान जान लोग ले रहे दूर रहने का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ►►ललितपुर

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरी विश्व विद्यालय, वरदानी भवन के तत्वावधान में चलाए जा रहे 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान के तहत रविवार को शहर में व्यापक जनजागरण अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर पहुंचकर लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया गया तथा नशामुक्त जीवन अपनाने की प्रतिज्ञा दिलाई गई। अभियान के अंतर्गत जीआरपी थाना, कंपनी बाग, प्रमुख मंदिरों तथा शहर के विभिन्न प्रमुख चौराहों पर ब्रह्माकुमारी बहनों एवं अभियान से जुड़े सदस्यों ने लोगों से संवाद किया। इस दौरान नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक, आर्थिक और सामाजिक नुकसान के बारे में जानकारी देते हुए लोगों से स्वयं नशे



से दूर रहने तथा अपने आसपास के लोगों को भी नशामुक्त जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया गया। अभियान में शामिल लोगों ने उत्साहपूर्वक संकल्प लिया कि वह अपने जीवन में नशे को स्थान नहीं देंगे और अच्छे संस्कारों, सकारात्मक सोच तथा स्वस्थ जीवनशैली को अपनाएंगे। लोगों को यह भी प्रेरित किया गया कि वह कम से कम एक व्यक्ति को नशे की आदत से बाहर निकलाने तथा स्वस्थ जीवन की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करें।

ब्रह्माकुमारी बहनों ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के जीवन को प्रभावित नहीं करता, बल्कि उसके पूरे परिवार और समाज पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। नशे की लत से परिवार की आर्थिक स्थिति प्रभावित होने के साथ-साथ आपसी संबंधों में तनाव और सामाजिक समस्याएं भी बढ़ती हैं। ऐसे में नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए सामूहिक जागरूकता और व्यक्तिगत संकल्प दोनों आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य केवल लोगों को नशे के नुकसान बताना नहीं, बल्कि

बीएसए ने सभी संबद्धीकरण किए निरस्त, मूल तैनाती स्थल पर लौटेगे शिक्षक-कर्मचारी को मूल विद्यालय की उपस्थिति पर ही मिलेगा वेतन

ललितपुर। बेसिक शिक्षा विभाग में लंबे समय से चले आ रहे संबद्धीकरण के खेल पर अब कार्रवाई शुरू हो गई है। बीएसए रत्नेश कुमार ने शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए समस्त प्रकार के संबद्धीकरण तत्काल प्रभाव से निरस्त कर संबंधित शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक एवं कर्मचारियों को उनकी मूल तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए हैं। बताया जा रहा है कि बीएसए को लगातार शिकायतें मिल रही थीं, कि विभाग के शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक एवं कर्मचारी अपनी मूल तैनाती के बजाय अन्य विद्यालयों अथवा कार्यालयों में संबद्ध होकर कार्य कर रहे हैं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए बीएसए ने पहले नगरक्षेत्र में संबद्ध दो अनुचरों का संबद्धीकरण निरस्त कर उन्हें तत्काल मूल विद्यालय भेजा था। इसी बीच शासन स्तर से भी 30 जुलाई को जारी शासनादेश में संबद्धीकरण को लेकर स्थिति स्पष्ट की गई। शासन ने कहा कि अगर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए जाने के बावजूद शिक्षकों एवं अन्य कर्मिकों को संबद्ध कर उनसे कार्य लिया जाना उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना की श्रेणी में आता है।

संबद्धीकरण की लंबी फेहरिस्त पर लगी रोक
विभागीय पत्रों के अनुसार पूर्व में भी बेसिक शिक्षा विभाग ने नगर क्षेत्र एवं कार्यालयों में शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों एवं कर्मचारियों के संबद्धीकरण को लेकर शिकायतें शासन तक पहुंची थीं। शिकायतों के बाद शासन स्तर से संबद्धीकरण समाप्त कर सभी को उनके मूल तैनाती स्थल पर भेजने के निर्देश दिए गए थे। अब बीएसए द्वारा जारी आदेश में सभी प्रकार के संबद्धीकरण समाप्त करते हुए संबंधित कर्मिकों को कार्यमुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि अगस्त माह से वेतन का भुगतान मूल तैनाती स्थल पर उपस्थिति दर्ज कराने के बाद ही किया जाएगा। बीएसए ने सभी संबद्ध शिक्षा अधिकारियों को भी कड़ी हिदायत दी है कि यदि उनके क्षेत्र में किसी भी प्रकार का संबद्धीकरण पाया जाता है तो इसकी सूचना शासन स्तर पर दी जाएगी।

कागजों में मूल विद्यालय, हकीकत में संबद्ध स्थल
संबद्धीकरण समाप्त करने के आदेश के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या संबंधित शिक्षक एवं कर्मचारी वास्तव में अपने मूल तैनाती स्थल पर नियमित रूप से पहुंचेंगे या महज कागजों में ही कागजातों वहन कर औपचारिकता पूरी कर ली जाएगी। पूर्व में कई मामलों में कर्मचारी कागजों में मूल तैनाती स्थल पर उपस्थिति दर्शाते रहे हैं।

रिमझिम मौसम में सिद्धिसागर एकेडमी ने मनाई हरियाली तीज

विद्यार्थियों की माताओं ने गोमूत्र, डांस और मेहंदी प्रतियोगिता में लिया हिस्सा



स्वस्थ और सौहार्द्रपूर्ण संबंध स्थापित होतें हैं, जो बच्चों के व्यक्तित्व विकास में भी सहायक होते हैं। महोत्सव के दौरान मिमियों एवं शिक्षिकाओं ने विभिन्न गेम्स, संगीत और नृत्य कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। सावन के मधुर गीतों से वातावरण पूरी तरह उत्सवमय हो गया। इसके साथ ही मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में एक से बढ़कर एक आकर्षक मेहंदी डिजाइन सामने आने के कारण विजेताओं का चयन निर्णायकों

चाहिए। उन्होंने महिलाओं को अपने और परिवार के स्वास्थ्य, फिटनेस एवं स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने के लिए प्रेरित किया। बरसात के मौसम में फैलने वाली बीमारियों से बच्चों को बचाने के लिए साफ-सफाई और स्वास्थ्य संबंधी सावधानियां बरतने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि देश का प्रत्येक पर्व और त्योहार अपने भीतर कोई न कोई विशेष संदेश समेटे होता है। उन्होंने सिद्धिसागर एकेडमी द्वारा लंबे समय से इस तरह के आयोजन किए जाने की सराहना करते हुए विद्यालय के स्टाफ की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जिस विद्यालय में शिक्षक अभिभावकों के साथ मिलकर इस प्रकार के आयोजन करते हैं, वहां बच्चों को निश्चित रूप से बेहतर शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार भी मिलते हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित महिलाओं को स्वल्पाहार कराया गया तथा एकेडमी की ओर से सृजित चित्रण भेंट किए गए। संचालन अंकिता जैन ने किया।

एकमात्र विद्यालय बना जहां शासकीय स्तर पर कृषि शिक्षा उपलब्ध होगी पीएमश्री स्कूल को मिली कृषि संकाय की सौगात क्षेत्र के विद्यार्थियों के सपनों को मिलेगी उड़ान

हरिभूमि न्यूज़ ►►ब्यावरा

विधानसभा क्षेत्र के पीएमश्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लखनवास के माध्यम से क्षेत्र के विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए एक बड़ी खुशखबर मिली है। विद्यालय में कक्षा 11 वीं में कृषि संकाय प्रारंभ करने की औपचारिक अनुमति मिल गई है। आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल द्वारा जारी इस स्वीकृति के साथ ही यह ब्यावरा विकासखंड का एकमात्र विद्यालय बन गया है। जहां शासकीय स्तर पर कृषि शिक्षा उपलब्ध होगी।

3 माह के रिकॉर्ड समय में मिली स्वीकृति

लखनवास कस्बे से लगभग पचास ग्रामीण क्षेत्र सीधे तौर पर जुड़े हुए हैं जिसके चलते यहाँ के एकमात्र हायर सेकेंडरी स्कूल पर बड़ी जिम्मेदारी थी। कृषि के क्षेत्र में रोजगार और करियर की अपार संभावनाओं को देखते हुए संकुल प्राचार्य केवलसिंह



भिलाला ने मई 2026 में शासन को कृषि संकाय शुरू करने का प्रस्ताव भेजा था। प्राचार्य के त्वरित एवं समर्पित प्रयासों का ही परिणाम है कि महज तीन माह के भीतर लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा इस प्रस्ताव को हरी झंडी दे दी गई।

विद्यार्थियों और क्षेत्र क मिलने वाले मुख्य लाभ

पीएटी के माध्यम से नए अवसर अब क्षेत्र के सैकड़ों विद्यार्थी प्री-एग्रीकल्चर टेस्ट पीएटी की तैयारी कर देश एवं प्रदेश

के प्रतिष्ठित कृषि विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा व अनुसंधान रिसर्च कर सकेंगे। गणित या अन्य विषयों में कठिनाई महसूस करने वाले विद्यार्थियों को अब एक बेहतरीन और व्यावहारिक विषय का विकल्प मिलेगा जिससे वे कृषि वैज्ञानिक और कृषि अधिकारी जैसे प्रतिष्ठित पदों तक पहुँच सकेंगे।

50 से अधिक गांव को सीधी सुविधा

लखनवास क्षेत्र के आसपास करीब 50 से भी अधिक गांव लगे हुए हैं, लेकिन क्षेत्र में कहीं भी इस प्रकार की सुविधा नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को पढ़ाई करने के लिए बाहर जाना पड़ता था, जो अब गांव के पास ही संभव होगा। खुशी की लहर इस सौगात की खबर मिलते ही विद्यालय परिवार क्षेत्र के बुद्धिजीवियों जनप्रतिनिधियों और अभिभावकों में हर्ष का माहौल है। सभी ने प्राचार्य केवलसिंह भिलाला के प्रयासों की सराहना करते हुए इसे लखनवास और आसपास के ग्रामीण अंचल के विकास में एक ऐतिहासिक कदम बताया है।

विधायक निधि से होगा निर्माण ताखाजी महाराज मंदिर पर दस लाख से बनेगा सामुदायिक भवन



आयोजकों ने विधायक एवं अतिथियों का साफा बांधकर स्वागत किया। माचलपुर में 1 करोड़ 25 लाख रुपए के विकास कार्यों की स्वीकृति प्राप्त हुई है।

हरिभूमि न्यूज़ ►►माचलपुर

नगर के ताखाजी महाराज के मंदिर में सप्ताहजी भजनों का आयोजन चल रहा है। कार्यक्रम विधायक हजारीलाल दांगी, भाजपा जिलाध्यक्ष ज्ञान सिंह गुर्जर, सांसद प्रतिनिधि मदनसिंह गुर्जर एवं मंडल अध्यक्ष अमिता मंडलोई रात्रि में सप्ताहजी की जानकारी में सम्मिलित होकर भजनों का आनंद लिया। जहां पर आयोजकों ने विधायक एवं अतिथियों का साफा बांधकर

स्वागत किया। उसके बाद विधायक दांगी ने सबकी उपस्थिति में मंदिर में सामुदायिक भवन और पेवर्स के लिए 10 लाख रुपये की राशि अपनी विधायक निधि से स्वीकृत करने की घोषणा की। साथ ही लोगों को आश्वासन दिया कि एक वर्ष के अंदर यह दोनों कार्य शतप्रतिशत पूर्ण हो जाएंगे। साथ ही माचलपुर में 1 करोड़ 25 लाख रुपए के विकास कार्यों की स्वीकृति प्राप्त हुई है, जो बहुत ही जल्दी नगर को सौगात के रूप में मिलेगी। माचलपुर ही नहीं पूरी खिलचौपुर विधानसभा में जब से भाजपा सरकार आई है तब से हम हर नगर के हर गांव के मंदिरों में विशेष ध्यान दे रहे है ताकि लोग धार्मिक भावना के साथ साथ सनातन संस्कृति से जुड़े युवाओं को सनातन से जोड़ने के लिए भी हम पूरी कोशिश कर रहे हैं। बताते की ताखाजी महाराज का मंदिर बहुत प्राचीन मंदिर है, जो नगर एवं क्षेत्र की आस्था का केंद्र है यहाँ लोगों की मन्तने पूरी होती है एवं प्रतिवर्ष यहाँ सप्ताहजी का आयोजन किया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या श्रद्धालु शामिल होते है।

पूर्व विधायक भारतीय को 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि की अर्पित अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर कांग्रेस ने क्रांतिकारी अमर शहीदों को किया याद



हरिभूमि न्यूज़ ►►शामगढ़/मंदसौर

ब्लॉक एवं शहर कांग्रेस कमेटी शामगढ़ द्वारा अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, बाबा भीम राव अम्बेडकर, शहीद भगत सिंह, शहीद चन्द्र शेखर आजाद , मौलाना अबुल कलाम आजाद सहित सभी महान नेताओं और

अमर शहीदों, क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनका स्मरण किया। साथ ही गत दिवस सुवासरा के पूर्व विधायक राम गोपाल भारतीय के निधन पर 2 मिनट का मौन रख उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष किशोर सिंह पंवार, शहर अध्यक्ष डॉ.शोकत मंसूरी, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष कमलेश जायसवाल, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष सहित महिला नेत्रियों रफत पयामी, इशा भाचावत,

किसान कांग्रेस प्रदेश सचिव दशरथ राठौर, अजा जिलाध्यक्ष कन्हैयालाल सिसोदिया, पूर्व पार्षद नीलेश संधवी, मण्डलम अध्यक्ष प्रेम पटेल, महिला कांग्रेस पूर्व प्रदेश सचिव शाजिया खान, किसान कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष हरिशंकर धाकड़, जगदीश परमार, शाहरुख पठान, इकबाल शाह, गोपाल सामेरिया, श्याम सिंह सहित कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

शिवना शुद्धिकरण अभियान के 137वें दिन एक ट्रॉली कचरा निकाला गया सामूहिक प्रयास का नतीजा, आज शिवना नदी स्वच्छ है: विपिन जैन

हरिभूमि न्यूज़ ►►मंदसौर

शिवना नदी को स्वच्छ, सुंदर एवं प्रदूषणमुक्त बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे शिवना शुद्धिकरण अभियान के अंतर्गत रविवार को अभियान के 137वें दिन श्रमदान के अंतर्गत रविवार को अभियान के 137वें दिन श्रमदान किया गया। इस दौरान नदी में बहकर आई जलकुंभी, कचरा एवं अन्य अपशिष्ट बाहर निकालकर नदी की सफाई की गई। इसी के साथ नदी किनारे फैली गाजर घास व कंटोली झाड़िया को भी साफ किया गया । श्रमदानियों द्वारा करीब एक ट्रॉली कचरा निकाला गया इस अवसर पर विधायक विपिन जैन ने कहा कि शिवना नदी मंदसौर की जीवनदायिनी है और इसे स्वच्छ रखना प्रत्येक मंदसौरवासी की जिम्मेदारी है। उन्होंने शहरवासियों से आह्वान किया कि प्रत्येक रविवार प्रातः 7 से 9 बजे तक आयोजित होने वाले



शिवना शुद्धिकरण अभियान में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर श्रमदान करें । श्री जैन ने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही आज शिवना नदी को साफ, स्वच्छ एवं सुंदर स्वरूप प्रदान किया जा सका है।

रविवार को आयोजित श्रमदान में विधायक विपिन



जैन के साथ समाजसेवी रमेश सोनी, हेमराज खाबिया, राकेश जैन पिंटू, बालकृष्ण दवे, अमलावद गांव से कैलाश कुमावत, दलौदा सगरा गांव से गणेशराम मालवीय, ईश्वरलाल मालवीय, रामप्रसाद मालवीय सहित महिला नेत्रियों रफत पयामी, इशा भाचावत,

सेन, जयेश पालीवाल, सादिक गोरी, अकरम खान, आमीन खान, गणपत कुमावत, संजय बरोट, अशोक राव, अंसार मेन, राजेश चौधरी, कपिल पंड्या, ऋषिराज लाड़, गोपाल बंजारा सहित बड़ी संख्या में श्रमदानी उपस्थित रहे ।

महामंडलेश्वर परमानंद महाराज का नगर आगमन आध्यात्मिकता को महत्व देते हुए ईश्वर से अपना जुड़ाव बढ़ाना चाहिए: महाराज



हरिभूमि न्यूज़ ►►ब्यावरा

गुरु पूर्णिमा उत्सव के अवसर पर श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट के ट्रस्टी और राष्ट्रीय संत युगपुरुष महामंडलेश्वर परमानंद महाराज का शनिवार को आगमन हुआ। उन्होंने भोपाल बायपास स्थित अखंड परमधाम आश्रम में आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में भक्तों और नागरिकों को आध्यात्मिक प्रवचन दिए। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। परमानंद महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि मनुष्य को अपने जीवन में आध्यात्मिकता को

महत्व देते हुए ईश्वर से अपना जुड़ाव बढ़ाना चाहिए। उन्होंने इसे ही जीवन की वास्तविक पूंजी बताया। महाराज ने समझाया कि मनुष्य की शारीरिक आयु अलग होती है, लेकिन उसकी आध्यात्मिक और सत्संग की आयु ही उसकी वास्तविक जमा पूंजी है, जो जीवन को सार्थक दिशा देती है। उन्होंने आगे कहा कि भौतिक सुख-सुविधाएं और धन-संपत्ति जीवन के साथ समाप्त हो जाती हैं, जबकि आध्यात्मिक रूप से अर्जित ज्ञान और संस्कार मनुष्य के जीवन को नई दिशा प्रदान करते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को संतों की शरण में रहकर सत्संग से जुड़ना चाहिए। उन्होंने श्रद्धालुओं से नियमित रूप से सत्संग सुनने और आध्यात्मिकता को अपनाने का आह्वान किया।

महाराज ने जोर दिया कि यदि मनुष्य को सच्चे ज्ञान की प्राप्ति करनी है तो उसे गुरु की शरण में जाना होगा। गुरु के मार्गदर्शन से ही सत्य का बोध होता है और व्यक्ति अपने जीवन के वास्तविक उद्देश्य को समझ पाता है। कार्यक्रम के दौरान अखंड परमधाम आश्रम समिति की ओर से परमानंद जी महाराज की पावन आरती की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं ने पादुका पूजन और गुरु पूजन किया। धार्मिक आयोजन के समापन पर महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी ज्योतिर्मयानंद जी महाराज भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने अपने प्रवचन में भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया और कहा कि श्रीराम के आदर्शों पर चलकर ही मनुष्य अपने जीवन को सार्थक बना सकता है।

धड़ल्ले से हो रहा अवैध कॉलोनियों का निर्माण, जिम्मेदारों पर उठे सवाल कहीं बिना मापदंड अनुमति तो कहीं खेतों में ही काटे जा रहे प्लॉट

हरिभूमि न्यूज़ ►►सारंगपुर

शहर और आसपास के क्षेत्रों में अवैध कॉलोनियों का निर्माण एक बार फिर तेजी से पैर पसारता नजर आ रहा है। कृषि भूमि को छोटे-छोटे भूखंडों में बांटकर प्लॉट काटने का सिलसिला लगातार जारी है। कई स्थानों पर कॉलोनी विकास के निर्धारित मापदंडों, आवश्यक अनुमतियों और मूलभूत सुविधाओं के बिना ही प्लॉटिंग किए जाने के आरोप हैं। इसके बावजूद भूखंडों की खरीद-फरोख्त, रजिस्ट्री और कुछ मामलों में नगर पालिका द्वारा नामांतरण किए जाने की बात सामने आ रही है। इससे प्रशासनिक निगरानी और जिम्मेदार विभागों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। शहर के बाहरी क्षेत्रों में कृषि भूमि खरीदकर उसे छोटे-छोटे प्लॉटों में विभाजित करने का खेल लंबे समय से चल रहा है। आरोप है कि कई स्थानों पर सड़क, नाली, जल निकासी, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था किए बिना ही प्लॉट बेचने शुरू कर दिए जाते हैं। खेतों में रास्ते निकालकर भूखंडों की बिक्री की जा रही है। आकर्षक दरों और भविष्य में सुविधाएं उपलब्ध कराने का भरोसा देकर लोगों को प्लॉट बेचे जाते हैं, लेकिन बाद में खरीदारों को वैधता, निर्माण अनुमति और मूलभूत सुविधाओं को लेकर परेशानी उठानी पड़ सकती है।

अनुमति प्रक्रिया पर भी सवाल

शहर में विकसित हो रही कॉलोनियों को लेकर नगर एवं ग्राम निवेश विभाग की अनुमति प्रक्रिया भी सवालों के घेरे में है। चर्चा है कि कुछ कॉलोनियों को निर्धारित मापदंड पूरे किए बिना अनुमति मिलाने की बात सामने आ रही है, जबकि दूसरी ओर कई स्थानों पर बिना अनुमति के ही कृषि भूमि पर प्लॉटिंग की जा रही है। सवाल यह है कि स्वीकृत कॉलोनियों में सड़क की चौड़ाई, पार्क, नाली, जल निकासी, विद्युत व्यवस्था और सार्वजनिक उपयोग की भूमि जैसे आवश्यक प्रावधानों का पालन हो रहा है या नहीं। वहाँ बिना अनुमति हो रही प्लॉटिंग पर संबंधित विभागों को नजर क्यों नहीं पड़ रही?



अवैध कॉलोनी के प्लॉटों की रजिस्ट्री कैसे?

सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि कोई कॉलोनी निर्धारित प्रक्रिया के तहत स्वीकृत नहीं है, तो वहाँ काटे गए प्लॉटों की रजिस्ट्री किस आधार पर हो रही है? बताया जा रहा है कि कुछ संदिग्ध कॉलोनियों में प्लॉट बेचने के साथ उनकी रजिस्ट्री भी कराई जा रही है। ऐसे में यह जांच का विषय है कि रजिस्ट्री से पहले संबंधित भूखंड और कॉलोनी की वैधता की जांच किस स्तर पर होती है। आम नागरिक अपनी जीवनभर की जमा पूंजी लगाकर प्लॉट खरीदता है। यदि बाद में कॉलोनी अवैध या अनधिकृत निकलती है तो उसका सबसे बड़ा नुकसान खरीदार को ही उठाना पड़ता है। इसलिए रजिस्ट्री प्रक्रिया में कॉलोनी की वैधता की जांच बेहद महत्वपूर्ण है।

नामांतरण को लेकर भी उठ रहे सवाल

अवैध कॉलोनियों के भूखंडों के नामांतरण को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि कुछ ऐसे भूखंडों के नामांतरण की प्रक्रिया भी की जा रही है, जिनकी कॉलोनी की वैधता स्पष्ट नहीं है। यदि किसी कॉलोनी को अवैध माना गया है या उसके खिलाफ कार्रवाई की गई है तो फिर उसी कॉलोनी के भूखंडों का नामांतरण किस आधार पर किया जा रहा है? क्या नामांतरण से पहले कॉलोनी की विकास अनुमति और अन्य दस्तावेजों की

जांच की जाती है? इन सवालों का स्पष्ट जवाब संबंधित अधिकारियों से अपेक्षित है।

पूर्व में कलेक्टर ने अपनाया था सख्त रुख

गौरतलब है कि राजगढ़ जिले के कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा द्वारा पूर्व में अवैध कॉलोनियों के मामले में सख्त रुख अपनते हुए कार्रवाई और नामांतरण-रजिस्ट्री पर रोक जैसे कदम उठाए गए थे। संबंधित कॉलोनाइजर्स पर जुर्माने की कार्रवाई भी की गई थी। माना जा रहा था कि इससे अवैध प्लॉटिंग पर अंकुश लगेगा, लेकिन वर्तमान में शहर के आसपास तेजी से हो रही प्लॉटिंग को देखकर सवाल उठ रहे हैं कि क्या कार्रवाई के बाद निगरानी व्यवस्था कमजोर पड़ गई है?

कार्रवाई के बाद फिर शुरू हुआ खेल?

यदि प्रशासन की पूर्व कार्रवाई के बावजूद नई कॉलोनियां विकसित हो रही हैं तो जिम्मेदारी तय होना जरूरी है। कृषि भूमि पर प्लॉटिंग शुरू होने, सड़कें बनने और प्लॉटों के प्रचार-प्रसार के बावजूद संबंधित विभागों को इसकी जानकारी क्यों नहीं मिलती? समय रहते कार्रवाई हो तो आम लोगों को अवैध कॉलोनियों में अपनी गाढ़ी कमाई लगाने से बचाया जा सकता है।

आम लोगों के साथ धोखे का खतरा

अवैध कॉलोनियों का सबसे बड़ा नुकसान प्लॉट खरीदने वाले लोगों को उठाना पड़ता है। कई बार कॉलोनाइजर सड़क, नाली, बिजली, पानी और पार्क जैसी सुविधाओं का भरोसा दिलाते हैं, लेकिन प्लॉट बिकने के बाद सुविधाएं विकसित नहीं हो पाती। बारिश में जलभराव और कीचड़ की समस्या सामने आती है। वहीं वैधता स्पष्ट नहीं होने पर मजिस्ट्रेट में मकान निर्माण, बैंक ऋण और अन्य सरकारी प्रक्रियाओं में भी दिक्कत आ सकती है। जिम्मेदार विभागों की भूमिका भी जांच के दायरे में किसी कॉलोनी की वैधता में भूमि की रजिस्ट्री, डायवर्सन, विकास अनुमति, नगर एवं ग्राम निवेश की अनुमति, रजिस्ट्री और नामांतरण जैसी कई प्रक्रियाएं शामिल होती हैं। ऐसे में यदि कोई अवैध कॉलोनी विकसित हो रही है तो केवल कॉलोनाइजर ही नहीं, बल्कि संबंधित विभागों की निगरानी व्यवस्था की भी जांच जरूरी है। जानकारी होने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई तो जिम्मेदारी तय होनी चाहिए और यदि जानकारी नहीं थी तो विभागीय निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठाना स्वाभाविक है।

प्रशासन कराए सर्वे, हो जिम्मेदारी तय

शहर और आसपास विकसित हो रही कॉलोनियों का प्रशासन को सर्वे कराना चाहिए। यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि कौन-सी कॉलोनी वैध है, किसे अनुमति मिली है, कहा नियमों का पालन नहीं हो रहा और किन कृषि भूमियों पर बिना अनुमति प्लॉटिंग की जा रही है। पूर्व में कार्रवाई की गई कॉलोनियों के रजिस्ट्री और नामांतरण मामलों की भी जांच होनी चाहिए। यदि बिना अनुमति प्लॉट काटकर बेचने की पुष्टि होती है तो संबंधित कॉलोनाइजर के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही अथवा मिलीभगत सामने आती है तो उसकी भी जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। अब सवाल यही है कि क्या प्रशासन अवैध कॉलोनियों के खिलाफ फिर सख्त अभियान चलाएगा? शहर में तेजी से बढ़ती प्लॉटिंग ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। जरूरत केवल आदेश जारी करने की नहीं, बल्कि मौके पर जांच कर अवैध कॉलोनियों की पहचान करने, प्लॉट बिक्री पर रोक लगाने और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर प्रभावी कार्रवाई करने की है।

तो जांच करेंगे

अवैध कॉलोनी का मामला अगर रद्दहान में आता है तो जांच कर कार्रवाई करेंगे।

कपिल शर्मा, तहसीलदार सारंगपुर

बीते कई दिनों से यह चलन चल पड़ा...

चौराहों पर शव रखकर हो रहे प्रदर्शन उचित नहीं, यह सनातन धर्म का अपमान: पूर्व पार्षद गुर्जर

हरिभूमि न्यूज़ ►►मंदसौर

पिछले दिनों से यह चलन चल पड़ा है कि संसदीय क्षेत्र में मृतक व्यक्ति

के शरीर को कभी रोड पर रखकर, कभी चौराहे पर रखकर ,तो कभी पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सामने रखकर प्रदर्शन और विरोध किया जाने लगा है। इस परम्परा से हिंदू धर्म और सनातन धर्म का अपमान तो हो ही रहा है साथ ही पुलिस की कार्यशैली पर भी एक बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा हो रहा है।

इस तरह के मामलों की जानकारी देकर पूर्व पार्षद भाजपा नेता विजय गुर्जर ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को अवगत कराया है कि इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए प्रशासन को सख्त निर्देश दिए जाने की आवश्यकता है। विजय गुर्जर ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अवगत कराया है कि इस तरह के मामलों में अक्सर देखने में

आता है कि पीड़ित मृतक परिवार के स्वजनों को उचित समय पर पुलिस प्रशासन द्वारा उचित सुनवाई एवं सहयोग नहीं मिल पाता है जिसके



परिणाम स्वरूप मृतक पीड़ित परिवार के स्वजन और संबंधित लोगों में आक्रोश उत्पन्न होकर बढ़ जाता है, जिसके परिणाम स्वरूप संबंधित स्वजन मृतक के शव को सीधे लेकर मेन रोडों ,चौराहों पर या संबंधित कार्यालयों के

सामने रखकर प्रदर्शन करते हैं प्रदर्शन होते ही पुलिस प्रशासन सक्रिय हो जाता है और उनसे बातचीत करता है। कार्रवाई का आश्वासन देता है। यही काम पुलिस प्रशासन द्वारा धरना प्रदर्शन होने से पूर्व कर दिया जाए तो शव रखकर प्रदर्शन करने की आवश्यकता नहीं पड़े। साथ ही इस तरह के आंदोलन की स्थिति भी निर्मित नहीं हो और सनातन व हिंदू धर्म की परंपरा का अपमान होने से बचाया जा सके।